बच्चे कभी बाप की शरण नही लेते
तुम भी बाप के बच्चे मालिक ही होते
निराकार बाप हम आत्माओं को पढ़ाते
वो ही हमारे बाबा, टीचर और सतगुरु है
इस पुरानी दुनिया से दिल नही लगानी
सिनेमा हेल जाने का रास्ता दिखाती
याद की यात्रा से ही पावन बनते
मन्सा-वाचा-कर्मणा कोई को दुःख नही देनी
मीठी-मीठी बाते सबको सुनानी
व्यर्थ संकल्प रूपी कमज़ोरी के जर्म्स से बचना
निश्चयबुद्धि हो ड्रामा के कैसे भी विकराल सीन
में कलयाण का ही अनुभव करना
बाप से जो करते प्यार
परिवार भी उनको करता प्यार

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!